मंत्री यूं ही काम लटकाते रहे, तो कैसे करेंगे जनता का सामना?

कांग्रेस के 40 से ज्यादा विधायक मुख्यमंत्री या प्रभारी को कर चुके हैं इस तरह की शिकायतें

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार दो अलग-अलग दौर में चल रही लगती है। दोनों ही दौर में मंत्री-विधायकों से लेकर ब्यूरोक्रेसी के बीच खींचतान स्पष्ट रूप से नजर आई। पहले के पार्ट में जहां पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ विधायकों ने खुलकर सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए नेतृत्व बदलने की मांग की थी। वही अब दूसरे पार्ट में विधायकों की नाराजगी मंत्री और ब्यूरोक्रेसी के खिलाफ रोजाना सामने आ रही है। पिछले 6 महीने की ही बात करें तो सिर्फ विधायक ही नहीं कई मंत्रियों ने भी ब्यूरोक्रेसी पर निशाना साधा है। वही लगभग 40 विधायकों ने मुख्यमंत्री से लेकर दिल्ली तक मंत्रियों के रवैये और कामकाज नहीं करने को लेकर स्पष्ट रूप से अपनी नाराजगी बताई हैं।

दरअसल इस सरकार में सबसे ज्यादा नाराजगी तो बसपा से कांग्रेस में आने वाले विधायकों की सामने आई है।

- **मंत्रियों के साथ ही ब्यूरोक्रेसी के रवैए पर भी है कांग्रेस विधायकों में नाराजगी**

मंत्री राजेंद्र गुढ़ा तो कई बार स्पष्ट रूप से मंत्रियों का नाम लेकर काम नहीं होने को लेकर शिकायतें कर चुके हैं, तो कांग्रेस के कई विधायकों ने मंत्रियों की ओर से महत्वपूर्ण कामों को लटकाकर रखने या काम नहीं करने की शिकायतें लगातार मुख्यमंत्री से की है। अब जब चुनाव में जाने का समय नजदीक आ रहा है, तो विधायकों को लग रहा है कि यदि मंत्रियों की ओर से इसी तरह से काम को लटकाया जाता रहा, तो चुनाव में जनता का सामना करना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए अब विधायक धीरे-धीरे खुलकर सामने आने लगे हैं। जहां तक ब्यूरोक्रेसी को लेकर नाराजगी की बात है तो पिछले दिनों ही खेल मंत्री अशोक चांदना ने तो मुख्यमंत्री के सचिव के खिलाफ नाराजगी जताते हुए मंत्री पद को ही जलालत भरा बता दिया था।

बताया जाता है कि 18 जुलाई को जब राष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग थी, उस दिन बड़ी संख्या में विधायकों ने मुख्यमंत्री से मंत्रियों के सामने ही काम नहीं करने की शिकायतें की थी। हालांकि मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों को आश्वस्त किया है कि वे खुद मंत्रियों से समय पर काम करने को कहेंगे। वहीं मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया था कि वह खुद विभाग वार समीक्षा बैठकर इसलिए कर रहे हैं कि यदि विभागों में काम नहीं हो रहा है तो समीक्षा में पता चल जाए।

राज्यसभा चुनाव की वोटिंग से पहले भी बसपा से कांग्रेस में आए 5 विधायकों के साथ ही कांग्रेस विधायक और अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष खिलाड़ी बैरवा ने की सरकार में कामकाज को लेकर खुलकर नाराजगी जताई थी। वही एक वरिष्ठ विधायक ने तो टीवी डिबेट में मंत्री पर उंगलियां उठाई थी। विधायक भरत सिंह भी लगातार मंत्रियों के कामकाज को लेकर मुख्यमंत्री को चिट्ठियां लिखते रहे हैं। अब जब मुख्यमंत्री ने तबादलों से बैन हटा दिया है और सभी विधायक तबादलों को लेकर मंत्री से सीधे मिलकर अपने समर्थकों के काम करवाना चाहते हैं, तो कई मंत्री-विधायकों को मिल नहीं रहे हैं। इसे लेकर भी विधायकों में नाराजगी बढ़ रही है। हालांकि मुख्यमंत्री अब ज्यादा चिंतित नहीं हैं, क्योंकि अब किसी राज्यसभा सीट पर कोई चुनाव नहीं होना है। हालांकि लगातार विधायकों की नाराजगी की खबरें सामने आने के चलते आम जनता में गलत संदेश जा सकता है। इस बात को मुख्यमंत्री अच्छी तरह से जानते हैं। यही कारण है कि वह विधायकों को आश्वस्त करके किसी तरह से चुप रखना चाहते हैं।

'कांग्रेस जिंदा रहेगी, तो ही हम जिंदा रहेंगे'

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को समन भेजकर ईडी की ओर से बुलाए जाने के खिलाफ होने वाले कांग्रेस के आंदोलन की रणनीति बनाने तथा संगठन चुनाव के संबंध में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुलाई गई जयपुर शहर कांग्रेस की बैठक में विधायकों, पार्षदों और संगठन नेताओं की ओर से गंभीरता नहीं दिखाई जाने को लेकर जयपुर शहर जिला कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष और राज्य के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भड़क गए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कांग्रेस नेताओं को कहा कि गलतफहमी कोई नहीं पाले, क्योंकि इस तरह की लापरवाही करोगे और कांग्रेस खत्म हो जाएगी तो बचेगा कौन?

दरअसल संगठन चुनाव को लेकर जयपुर के डीआरओ जयपुर में सभी कांग्रेसजनों से मिलकर संगठन चुनाव को लेकर चर्चा करने के लिए आए थे। इसी के साथ जयपुर में गुरुवार को प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन किया जाना है। यह प्रदर्शन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को ईडी के बुलावे के खिलाफ जयपुर स्थित ईडी कार्यालय के बाहर किया जाना है। इसी संबंध में जयपुर शहर कांग्रेस की बैठक प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुलाई गई थी,लेकिन इस बैठक में 5 में से 4 विधायक नहीं आए। वहीं जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज के 80 में से सिर्फ 21 पार्षद ही पहुंचे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का वक्फ मुख्यालय पर प्रदर्शन

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान के नेतृत्व में बुधवार को राजस्थान वक्फ बोर्ड कार्यालय जयपुर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान के नेतृत्व में राजस्थान वक्फ बोर्ड कार्यालय जयपुर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष एम सादिक खान ने अपने चिर-परिचित अंदाज में वक्फ बोर्ड की कारगुजारी का भांडा फोड़ किया।

- **वक्फ संपतियों से कब्जा छोड़े राज्य सरकार, सभी जिला वक्फ बोर्ड कमेटियों को तुरंत भंग किया जाए : एम. सादिक खान**

उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से कांग्रेस सरकार चन्द अल्पसंख्यक समाज के लोगों को लॉलीपॉप देकर बेवकूफ बना रहीं है धरातल पर अल्पसंख्यक समाज के हितों के लिए कोई कार्य नहीं हुए और तो और अल्पसंख्यक लोगों के विभागों का बेड़ा गर्क कर रखा हैं। जिसमें वक्फ बोर्ड को ही देखे, हमारे बाबाओं अजदाद ने अपनी जायदादों को लोगों की भलाई के लिए वक्फ को दी थीं। उन वक्फ जायदादों की देखभाल वक्फ बोर्ड को करनी थी, मगर इसका उल्टा हो रहा है। कहीं वक्फ जायदादों के पट्टे दिये जा रहे हैं तो कही अवैध निर्माण व अवैध कब्जे करवाये जा रहे हैं। वर्षों पुराने किरायेदारो का नई किराया निति से किराया नहीं वसूला जा रहा है। वक्फ जायदादो की आमदनी का जरिया बढ़ाया जायें ताकि अल्पसंख्यक समाज के बच्चो की फ्री कोचिंग दी जा सकें। जिसे काफी समय पहलें बन्द कर दिया गई। विधवा पेंशन चालू करें, गरीब बच्चों व बच्चियों की शादी में इमदाद बन्द कर दी गई उनको चालू किया जाये। अशोक गहलोत को चेताया की वक्फ बोर्ड के साथ न्याय करें। वक्फ जायदादो को सुरक्षित करें।

मोर्चा प्रदेश महामंत्री हमीद मेवाती ने संबोधित करते हुए कहा कि अलवर भरतपुर में वक्फ बोर्ड की जमीनों पर हो रहें अवैध कब्जो के हटाने की मांग की और राजा हसन खां मेवाती की समाधि स्थल से कब्जा तुरन्त हटाया जाये। मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुसैन खान ने संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर के मुस्लिम मुसाफिर खाने की कमेटी बदली जायें। वक्फ की जमीनो पर से अवैध कब्जे हटाए जायें वक्फ किराया निति के अनुसार वक्फ जायदादो से किराया वसूला जाये। कार्यालय मंत्री उस्मान खान चौहान ने आने वाले सभी कार्यकर्ताओ का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष फरमान अहमद, प्रदेश मंत्री आसिफ खान, शहजाद पठान, आसिफ नकवी, कोषाध्यक्ष अकरम कुरेशी, आईटी सेल सह-संयोजक मोहम्मद इरसाद हसनपुरा सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विजय दास के आत्मदाह ने राजस्थान सरकार की हठधर्मिता की पोल खोल दी है : डॉ.पूनिया

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने एसएमएस अस्पताल में जाकर संत विजयदास की पूछी कुशलक्षेम**
- **भरतपुर के डीग क्षेत्र में अवैध खनन माफियाओं के विरोध में संत विजय दास द्वारा आत्मदाह करना गहलोत सरकार के माथे पर कलंक है : राजेन्द्र राठौड़**

जयपुर। बृज के कामां क्षेत्र में पिछले 551 दिनों से अवैध खनन के खिलाफ साधु समाज का आंदोलन चल रहा है। साधु-संतों की मांग के बाद भी सरकार के हस्तक्षेप के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं होने की परिणिति एक साधु की आत्मदाह के रूप में हुई। राजस्थान की कांग्रेस सरकार की हठधर्मिता का बड़ा उदाहरण है कि 27 जनवरी 2005 में अवैध खनन के खिलाफ खनन पर रोक के बावजूद भी जब इस तरीके से अवैध खनन हो रहा है तो उसको लेकर साधु संतों और आम जनता में बड़ा आक्रोश था, क्योंकि यह पूरा क्षेत्र ब्रज चौरासी क्षेत्र में आता है, जो धार्मिक आस्था का एक बड़ा केंद्र है। राजस्थान सरकार की कानून व्यवस्था की पोल तो इस मामले से खुलती ही है, लेकिन किस तरीके से राजस्थान की सरकार व प्रशासन लापरवाह है उसकी यह बानगी है। विजय दासके आत्मदाह ने राजस्थान सरकार की हठधर्मिता की और मुद्दों के समाधान नहीं करने की पोल खोल दी है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंच कर संत विजय दास की कुशलक्षेम पूछी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि उदयपुर के बाद फिर बृज के कामा क्षेत्र में अशोक गहलोत सरकार की घोर लापरवाही है। अवैध खनन को बंद कराने की साधु-संतों की मांग पर राज्य सरकार ने ध्यान नहीं दिया।एक संत के आत्मदाह का प्रयास इसी का परिणाम है। ये कैसी विडम्बना है कि रोक के बाद भी वहाँ अवैध खनन हो रहा है और साधु-संतो को आवाज़ उठानी पड़ रही है। राज्य सरकार ने यदि इस विषय को गम्भीरता से लिया होता तो आज ये स्थिति नहीं होती। इसके लिए पूरी तरह से राज्य की गहलोत सरकार ज़िम्मेदार है।

वहीं उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि भरतपुर के डीग क्षेत्र में अवैध खनन माफियाओं के विरोध में संत श्रीविजयदासजी द्वारा आत्मदाह करना गहलोत सरकार के माथे पर कलंक है। राठौड़ ने कहा कि दुर्भाग्य है कि पिछले 551 दिनों से क्षेत्र में साधु संत आंदोलन कर रहे हैं लेकिन चिरनिद्रा में सोई सरकार के कानों में जूं तक नहीं रेंगी। राठौड़ ने कहा कि कनकांचल और आदिबद्री पर्वत धार्मिक आस्था का प्रतीक है जहां पर खनन का लंबे समय से विरोध हो रहा है। संतों ने प्रशासन को पूर्व में ही आत्मदाह की चेतावनी दी थी, इसके बावजूद प्रशासन ने साधु संतों से सकारात्मक वार्ता नहीं करके आंदोलन को खत्म नहीं कराया। ईश्वर से संत श्रीविजयदासजी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

गहलोत सरकार राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने पर आमादा है : राठौड़

जयपुर (कासं)। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2022-23 के पैरा संख्या 26 में 5 हजार से अधिक की आबादी वाले समस्त गांवों में 1 हजार 200 महात्मा गांधी अंग्रेजी विद्यालय प्रारम्भ किये जाने की बजटीय घोषणा की थी, लेकिन दुर्भाग्य है कि सरकार अपनी घोषणा को अमलीजामा पहनाने के लिए इंग्लिश मीडियम के नये विद्यालय खोलने की बजाय वर्तमान में संचालित हो रहे बड़ी संख्या में हिंदी मीडियम के विद्यालयों को ही इंग्लिश मीडियम में परिवर्तित करके हिंदी मीडियम के लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा से वंचित रखकर उनका भविष्य गर्त में ले जाने का काम कर रही है।

- **'सरकार अंग्रेजी स्कूल खोलने की अपनी घोषणा को अमलीजामा पहनाने के लिये नये विद्यालय खोलने के बजाय बड़ी संख्या में हिंदी माध्यम स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में परिवर्तित कर रही है जिससे लाखों विद्यार्थियों का भविष्य गर्त में चला जायेगा'**

राठौड़ ने कहा कि झूठी घोषणाएं करने में अव्वल गहलोत सरकार राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने पर आमादा है। राज्य के करीब 6 लाख बच्चों पर जबरन इंग्लिश मीडियम स्कूल थोपे जा रहे हैं। सरकार विगत 3 वर्षों में 1205 हिंदी मीडियम स्कूलों में ताला डालकर उन्हें इंग्लिश मीडियम स्कूलों में परिवर्तित कर चुकी है और अपनी इसी मानसिकता के साथ 2000 अतिरिक्त हिंदी मीडियम के स्कूलों को अंग्रेजी मीडियम में खोलने जा रही है।

राठौड़ ने कहा कि सरकार जिन हिंदी मीडियम स्कूलों को इंग्लिश मीडियम में परिवर्तित कर रही है वहां हिन्दी मीडियम के शिक्षक ही विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं। सरकार ने बजटीय घोषणा में अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों का अलग से कैडर बनाकर 10 हजार शिक्षकों की भर्ती करने की भी घोषणा की थी जो अभी तक अधर में है। ना तो सरकार ने इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती की और ना ही हिन्दी मीडियम के विद्यार्थियों की शिक्षा का समुचित प्रबंध किया। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने की थोथी घोषणा कर वाहवाही तो लूट ली लेकिन इन स्कूलों के लिए आधारभूत संरचनाएं जैसे भवन, शिक्षक व अन्य संसाधन की व्यवस्था ही नहीं की। इसके विपरीत अपनी कपोल कल्पित योजना को फलीभूत करने के लिए पहले से संचालित हो रहे हिंदी मीडियम स्कूलों को बंद कर इन्हें ही इंग्लिश मीडियम में परिवर्तित कर रही है जिससे बड़ी संख्या में हिंदी मीडियम के विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों के समक्ष पढ़ाई का संकट उत्पन्न हो गया है।

वोट बैंक से पहले समाज में शांति और सौहार्द की चिंता करें कांग्रेसी : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सद्भाव बिगाड़ने वाले पुराने वीडियो पर 3 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद राजस्थान सरकार पर हमला बोला। शेखावत ने कहा कि कांग्रेसियों को वोट बैंक से पहले समाज में शांति और सौहार्द की चिंता करनी चाहिए।

बुधवार को सिलसिलेवार ट्वीट कर शेखावत ने कहा कि जयपुर के घाटगेट में सालभर पहले दहशत फैलाता वीडियो बनाया गया था, जिस पर मामूली कार्रवाई करते हुए मामला रफा-दफा कर दिया गया। वीडियो से फैलते जहर को रोकने की कोशिश न की गई, पिछले हफ्तेभर से यह वीडियो पुन: साजिश की मंशा से वायरल किया जाने लगा। उन्होंने कहा कि मेरे संज्ञान में आते ही तत्काल मैंने इस पर आपत्ति जताई।

नए करोना संक्रमितों की संख्या ढाई सौ के करीब पहुंची राजस्थान में

राज्य में बुधवार को 246 नए संक्रमित मिले हैं, इनमें सबसे ज्यादा 63 मरीज जोधपुर में पाए गए हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश नए करोना संक्रमितों की संख्या ढाई सौ के करीब पहुंच गई है। बुधवार को राज्य में 246 नए संक्रमित सामने आए हैं, जबकि दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस बीच रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 1438 हो गए हैं। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों का आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। पिछले चौबीस घंटों में 20 जिलों में 246 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को इनकी संख्या 180 रही थी। इधर पिछले दो दिनों से सबसे ज्यादा नए संक्रमित जोधपुर जिले में मिल रहे हैं। इसके चलते बुधवार को भी यहां सर्वाधिक 63 नए मरीज पाए गए हैं। वहीं राजधानी जयपुर में आज थोड़ी वृद्धि के बाद 45 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 25, जालोर में 20, अजमेर में 19, उदयपुर में 14, अलवर में 13, नागौर में 8, चित्तौड़गढ में 7, भीलवाड़ा व दौसा में 5-5, राजसमंद व सिरोही में 4-4, कोटा, प्रतापगढ़ व बांसवाड़ा में 3-3, हनुमानगढ़ में 2 तथा भरतपुर, चूरू और सीकर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं इस बीच 13 जिलों बारां, बाड़मेर, बूंदी, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, जैसलमेर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, पाली, सवाई माधोपुर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है। प्रदेश में बुधवार को भी रिकवरी कम हुई है। इस दौरान राज्य में 185 रोगी ठीक हुए हैं। इस बीच एक्टिव केस बढ़कर 1438 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 370 मामले जयपुर जिले में, जबकि जोधपुर में 312 और बीकानेर में 158 संक्रमितों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में अजमेर और बीकानेर में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही अजमेर में अब तक करोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 449 और बीकानेर में 592 हो गई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9576 लोगों की जान जा चुकी है। राजधानी जयपुर में बुधवार को सबसे ज्यादा 9 नए संक्रमित मालवीय नगर में मिले हैं। इसके अलावा मानसरोवर में 6, सिविल लाइन्स व आदर्श नगर में 5-5, सांगानेर व वैशाली नगर में 3-3, बरकत नगर व मुरलीपुरा में 2-2 तथा बनीपार्क, बस्सी, दुर्गापुरा, गांधी नगर, गोविन्द नगर, गुजर की थड़ी, झोटवाड़ा, कोटपूतली, सिरसी और सांभर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। जिले में आज 69 मरीज ठीक हुए हैं।

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी वृद्धि के बाद 45 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **प्रदेश में करोना से पिछले चौबीस घंटों में दो लोगों की मौत हो गई है।**

एक पद खाली रखने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2020 में दिव्यांग श्रेणी से चयनित अभ्यर्थी से नया दिव्यांग प्रमाण पत्र मांगने पर प्रमुख कॉलेज शिक्षा सचिव, निदेशक व आरपीएससी सचिव से 11 अगस्त तक जवाब मांगा है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता के लिए दिव्यांग श्रेणी में एक पद खाली रखने के लिए कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश जयप्रकाश अवस्थी की याचिका पर दिए।

एक लाख लोगों को देंगे मुफ्त भोजन

जयपुर (कासं)। रोटरी क्लब जयपुर रॉयल सिग्नेचर प्रोजेक्ट के तहत पिछले कई वर्षों सें वर्ष पर्यंत प्रतिदिन 100 लोगों को मुफ्त भोजन बांट रहा था। इस वर्ष के नव निर्वाचित प्रेसिडेंट अरूण बगड़िया ने इस काम को आगे बढाते हुए इस वर्ष प्रतिदिन 300 लोगों को मुफ्त भोजन कराने की योजना बनाई है। इस कार्यक्रम के जरिए साल भर तक 1 लाख लोगों को मुफ्त भोजन कराया जाएगा। अरुण बगड़िया ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत लाल कोठी पुलिस हैड क्वार्टर के पास वाली इंदिरा रसोई मे ये प्रोजेक्ट वर्ष भर चलेगा। इस प्रोजेक्ट का आगाज समारोहपूर्वक हुआ। इस अवसर पर फर्स्ट लेडी पूनम बगड़िया, वरिष्ठ रोटेरियन रतन सिंह, रवि कामरा, एसिस्टेंट गवर्नर हेमेन्द्र शर्मा, पास्ट प्रेसिडेंट संजय कौशिक, पी सी जैन, हरीश खत्री मौजूद थे।

'राजस्थान रॉयल्स व सरकार बकाया को लेकर करें राशि तय'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आईपीएल मैच के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन की बकाया राशि के लिए राजस्थान रॉयल्स और सरकार को बैठक कर राशि तय करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 25 जुलाई को तय की है। सीजे एसएस शिंदे और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राजस्थान रॉयल्स की ओर से कहा गया कि उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बकाया भुगतान कर दिया है और अब कोई बकाया शेष नहीं है। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि राजस्थान रॉयल्स पर वर्ष 2011 के डेढ़ करोड़, वर्ष 2012 के एक करोड़ अस्सी लाख और वर्ष 2013 के 25 लाख रुपए बकाया चल रहे हैं। दूसरी ओर आरसीए की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि बकाया भुगतान को लेकर आरसीए का कोई लेना-देना नहीं है। इस पर अदालत ने राजस्थान रॉयल्स और राज्य सरकार को बकाया भुगतान को लेकर राशि तय करने को कहा है। गौरतलब है कि शहर में वर्ष 2011 से लेकर वर्ष 2019 तक हुए आईपीएल मैच में दी गई पुलिस सुरक्षा का बकाया भुगतान नहीं करने के मामले में हाईकोर्ट ने स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था।

साउथ ऑस्ट्रेलिया की एम्बेसेडर से भूजल प्रबंधन पर चर्चा

दक्षिण ऑस्ट्रेलिया सरकार की वॉटर एम्बेसेडर कार्लिन मेवॉल्ड के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने बुधवार को सचिवालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल डॉ. सुबोध अग्रवाल से मुलाकात की।

जयपुर, (का.सं.)। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया सरकार की वॉटर एम्बेसेडर कार्लिन मेवॉल्ड के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मण्डल ने बुधवार को सचिवालय में अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल डॉ. सुबोध अग्रवाल से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान भूजल प्रबंधन एवं जल शुद्धिकरण में आधुनिक तकनीक के प्रयोग पर सहयोग के बारे में चर्चा हुई।

डॉ. अग्रवाल से चर्चा के दौरान दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की वॉटर एम्बेसेडर ने बताया कि राजस्थान एवं साउथ ऑस्ट्रेलिया की भौगोलिक परिस्थितियां कुछ हद तक मिलती-जुलती हैं। ऐसे में विभिन्न क्षेत्रों में साउथ ऑस्ट्रेलिया द्वारा राजस्थान को तकनीकी सहयोग दिया जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार एवं ऑस्ट्रेलिया के बीच एक एमओयू हस्ताक्षरित किया गया था, जिसके तहत 'ऑस्ट्रेलिया इण्डिया वॉटर सेंटर' स्थापित किया गया है। भारत के 17 अग्रणी तकनीकी संस्थान तथा ऑस्ट्रेलिया के 9 अग्रणी तकनीकी संस्थान एवं अन्य शोध संस्थान इस सेंटर के सदस्य हैं। ऑस्ट्रेलिया इण्डिया वाटर सेंटर जल प्रबंधन एवं जल से संबंधित अन्य विषयों पर शोध, शैक्षिणक गतिविधियों एवं क्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम का भी संचालन कर रहा है।

नाहरगढ़ पहाड़ी पर पुजारी से बदमाशों ने मारपीट की

जयपुर (कासं)। शहर के ब्रह्मपुरी क्षेत्र में नाहरगढ़ पहाड़ी पर एक पुजारी पर दो कार सवार एक दर्जन से अधिक लोगों द्वारा जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार पुलिन्दर की गली, जौहरी बाजार निवासी सोनू शर्मा (29) 17 जुलाई की रात को नाहरगढ़ पहाड़ी पर स्थित भौमिया जी के मंदिर में पूजा करने के लिए गया था। इस दौरान रात करीब 11 बजे गेट बंद होने की वजह से दो युवक मंदिर की दीवार फांदकर अंदर आ गए, जिनके हाथ में शराब की बोतल थी। पुजारी सोनू ने युवकों को शराब की बोतल सहित बाहर जाने के लिए कहा तो उन युवकों ने अपने अन्य साथियों को आवाज देकर बुला लिया। महंत ने भी युवकों को मंदिर में शराब वर्जित होने की कहकर बाहर जाने के लिए गया तो वे और उठा हो गए।

इस दौरान युवकों ने सोनू को पहाड़ी से धक्का देकर नीचे गिरा दिया, जहां दो कार में सवार एक दर्जन से अधिक लोगों ने उस पर सरियो से हमला बोल दिया। वहीं सिर पर शराब की बोतल फोड़ दी।

'जो लाशों की राजनीति करता हो, वह कहता है कि सुरक्षा मिलनी चाहिए'

मंत्री रमेश मीणा ने सांसद डॉ. किरोड़ी पर निशाना साधा

- **'किरोड़ी को पार्टी में कोई पूछ नहीं रहा, बैठक में घुसने नहीं दिया, अब कह रहे हैं धमकी मिली है, सरकार इसकी जांच कराएगी'**

जयपुर, (का.प्र.)। राज्यसभा में भाजपा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को उदयपुर तालिबानी हत्याकांड के शिकार कन्हैयालाल की पैरवी करने पर धमकी मिलने के उनकी सुरक्षा की मांग को लेकर राजस्थान के ग्रामीण विकास और पंचायतराज मंत्री रमेश मीणा ने सवाल उठाते हुए कहा कि धमकी मिली है या नहीं मिली यह जांच का विषय है। पार्टी में किरोड़ी को कोई पूछ नहीं रहा, इसलिए चर्चा में रहने के लिए इस तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। रमेश मीणा ने कहा कि सुरक्षा लेने के लिए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

पहले भी अपने जिले में खुद पर गोली चलवाई थी, बाद में वाई श्रेणी की सुरक्षा ले ली थी। मंत्री ने कहा कि जो सुरक्षा मांग रहा है, उस पर पहले से ही केस लगे हुए हैं, उसे कानून के हवाले कर देना चाहिए।

सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए रमेश मीणा ने किरोड़ी मीणा को धमकी के बाद उनकी सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी होने के सवाल पर कहा कि उन्होंने खुद कहा है कि उनके साथ बहुत से युवा हैं। लोग उनके साथ हैं। ऐसे लोगों को क्या खतरा हो सकता है? खुद का बयान है, उन्हें खुद को कानून के हवाले करना चाहिए। इसी के साथ रमेश मीणा ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री से भी कहा है कि जो व्यक्ति लाशों की राजनीति करता हो, लोगों को धमकाता हो, जिस पर मुकदमे दर्ज हों, जो अपराधी हो, वह कहता है कि सुरक्षा मिलनी चाहिए। जो सुरक्षा के लिए ऐसी कहानियां बनाता हो, उसे अरेस्ट करना चाहिए। रमेश मीणा ने कहा कि यह जांच का विषय है कि पहले जो गोली चली, वह किसने चलवाई। किरोड़ी को पार्टी में कोई पूछ नहीं रहा है। जयपुर में पिछले दिनों सबने देखा उन्हें बैठक तक में घुसने नहीं दिया था। अब कह रहे हैं कि धमकी मिली है, सरकार जांच कराएगी। यह भी जांच होनी चाहिए कि पहले किसने गोली चलाई और वाई श्रेणी की सुरक्षा कैसे मिल गई।